केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १० जुलाई, २०१६ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

	दिनांक	महिना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	☐☐	☐☐	☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (५१)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (४९)		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''आप लोग कौन हैं ? कहाँ से आए हैं ? और कहाँ जाना हैं ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

२. ''उसे कहना कि अब मेरी आशा न रखे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''अतः कृपया आप बीच में न आईए ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. कृपानंद स्वामी को तो दीन बनकर ही वश किया जा सकता है ।
२. श्रीजीमहाराज ने कल्याणदास को दीक्षा देकर अद्‌भुतानंद बनाये ।
३. भगवान प्रसन्न होकर जेठा मेर के घर पधारे ।
४. अलैया खाचर को बहुत पश्चात्ताप हुआ ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. सधवा और विधवा स्त्रियों के विशेष धर्म **अथवा** २. साधु

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. रामबाई **अथवा** ४. संप्रदाय के शास्त्र : सत्संगिजीवन

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ८		नाम	प्र - ४ गुण - ६		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. किस लिए अक्षररूप होना पड़ता है ?

गुण : १	

.....

.....

२. समाधि किसे कहते हैं ?

गुण : १	

.....

.....

३. श्रीहरि का असाधारण ऐश्वर्य क्या था ?

गुण : १	

.....

.....

४. मगनभाई गृहस्थ होने पर भी उनका जीवन कैसा था ?

गुण : १	

.....

.....

५. भगवान स्वामिनारायण को क्या लेशमात्र स्पर्श नहीं कर सकता है ?

गुण : १	

.....

.....

६. भगवान स्वामिनारायण ने भगुजी के साथ डोसाभाई को क्या कहलवाया ?

गुण : १	

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ भगवान जीवों के गुनाहों - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : जेतलपुर की गणिका

१. भगवान स्वामिनारायण ने आशीर्वाद दिए कि ''तुम्हारा मुक्तानंद स्वामी जैसा कल्याण होगा ।'' **२.** भगवान स्वामिनारायण गेहूँ से भरी बैलगाड़ी में बैठकर गाँवों में घूम रहे थे । **३.** सब को तीन मन गेहूँ देते थे । **४.** सारी रात चक्की चलाकर अपने हाथों से पीसे गेहूँ लेकर भगवान स्वामिनारायण के पास आई । **५.** अपने हाथों से पीसती हो तो अवश्य आशीर्वाद देंगे । **६.** आप यह गेहूँ सभी को स्वच्छ करने के लिए देते हो ? **७.** यदि दासी पीसकर दे तो मुझे अपने आशीर्वाद दोंगे ? **८.** आप यह गेहूँ सभी को पीसने के लिए देते हो ? **९.** जेतलपुर अहिंसक यज्ञ में असंख्य ब्राह्मणों को भोज देना था । **१०.** जेतलपुर के अहिंसक यज्ञ में असंख्य बालकों को भोज करवाया । **११.** सारी रात दासी के पास चक्की चलाती रही । **१२.** अपने हाथ दिखाओ तो ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री तीव्रवैराग्याय नमः .....

..... ॐ श्री ज्ञानिने नमः | गुण : २ |

२. वहाला तारी जंघा जुगलनी .....

..... मारा चित्तमां रे लोल । | गुण : २ |

३. निजात्मानं .....

..... कृष्णस्य सर्वदा ॥ | गुण : २ |

४. बाह्यान्त ..... शरणं प्रपद्ये ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

..... | गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''मेरा पाँव निकालिए वरना वह टूट जाएगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... | गुण : ३ |

२. ''मुझे तो महाराज की ऐसी ही आज्ञा है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... | गुण : ३ |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम

३. ''आप बिना आज्ञा हुए जबरदस्ती आए हैं, इसलिए हम आपको गले नहीं लगाएँगे । ''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ | | ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. मूलजी छोटेभाई के साथ घर गए ।
२. करसन बांभणिया की आँखें भर गईं ।
३. साकरबा को मूलजी के वचन की सत्यता समझ में आ गई ।
४. महाराज ने कुरजी दवे को अक्षरधाम की भेंट दी ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( )

गुण : ३	

( )

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. वृत्ति का निरोध

२. जूनागढ़ के मंदिर के महंतपद पर

३. अहमदाबाद में सम्मान

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. अक्षरओरडी में कौन सी कथा हो रही थी ?

गुण : १	

.....

.....

२. उन्नीस संत कहाँ बीमार हो गए थे ?

गुण : १	

.....

.....

३. स्वामी कौन सा ज्ञान किस तरह कहने लगे ?

गुण : १	

.....

.....

४. महाराज ने परमहंसों को क्यों आपस आपस में जमानत देने को कहा ?

गुण : १	

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

५. महाराज ने अपनी अंतिम अवस्था में ब्रह्मानंद स्वामी को कितने समय तक अपने पास रखा ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. नागर भाविक का परिवर्तन २. सेवा करे वही महंत

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. वीरा शेलड़िया का पुत्र लक्ष्मण — गुण : २ ☐

(१) ☐ महाराज की मूर्ति में वृत्ति जोड दी ।

(२) ☐ स्वामी को रोज एक प्रश्न पूछता था ।

(३) ☐ आप ऐसा पक्षपात करें, वह कैसे चलेगा ?

(४) ☐ मैं तो महाराज के चरणारविंद को छाती पर लगाता हूँ ।

२. क्षमाशील — गुण : २ ☐

(१) ☐ दरबार अज्ञान की जड़ता के कारण द्वेष करता है ।

(२) ☐ अरे, यह ब्राह्मण कितना निर्दय है ।

(३) ☐ भगवान इनको पुत्र क्यों देंगे ?

(४) ☐ पार्षदों का ऐसा अपमान करता है ।

३. स्वामी जूनागढ़ में रहे — गुण : २ ☐

(१) ☐ चार वर्ष (२) ☐ पाँच मास

(३) ☐ पाँच दिन (४) ☐ चालीस वर्ष

४. मालजी सोनी — गुण : २ ☐

(१) ☐ ये सद्‌गुरु कौन है ? (२) ☐ सामान्य राजा हैं ।

(३) ☐ शास्त्रीजी महाराज को स्वामी अक्षर हैं एसी बात की थी । (४) ☐ असल में सच्चे चक्रवर्ती हैं ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **गुणातीत बातें :** वरताल में पूर्णिमा की उत्सव सभाओं में गोपालानंद स्वामी तथा मुक्तानंद स्वामी, आचार्य महाराज के पास ही बातें करवाते थे । जिस दिन आचार्य महाराज स्वामी के अक्षरस्वरूप की बातें करते तब गोपालानंद स्वामी खूब प्रसन्न होते ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **खारे जीव को मीठा किया :** सोरठियावाड में खंभात नामक गाँव है । यहाँ मुंजा सूरु और रत्ना सूरु दोनों सौतेले भाई रहते थे । मुंजा की जायदाद का ज्यादातर भाग दबाकर रत्ना उसके साथ अन्याय करता था ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **हमारे तिलक :** एक बार स्वामी और संतमंडल ब्रह्मानंद स्वामी के साथ जूनागढ़ पहुँचे । उस समय महाराज वहीं बिराजमान थे । वहाँ हरिजयंती का उत्सव मनाने अनेक पार्षदों के मंडल इकट्ठे हुए थे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **तुलसी दवे को समाधि :** संवत् १८१८ में मार्गशीर्ष पूर्णिमा का उत्सव अहमदाबाद में करके स्वामी सारंगपुर पधारे । यहाँ उन्होंने मन्दिर में विष्णु दवे की कथा सुनी । सुनकर स्वामी प्रसन्न हुए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **आज्ञाधारक :** गुणातीतानंद स्वामी की इच्छा देखकर गोपालानंद स्वामी सौराष्ट्र की ओर जाने के लिए तुरंत तैयार हुए । उनके साथ एक विरक्तानंद गुदडिया पार्षद खुशीसे जाने को तैयार हुए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **निश्चय कराया :** संवत् १९१६ में फाल्गुन वदी तृतीया के दिन पंचाला में आचार्य महाराज द्वारा सिद्धेश्वर महादेव की मूर्तिप्रतिष्ठा धूमधाम से हुई ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**